



108

न्यायालय : माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर

R-1603-II/07

प्रकरण क्रमांक 12009 पुनरीक्षण.

श्री रामलाल शर्मा द्वारा आज दि० 19-12-07 को प्रस्तुत।

अ. नं० 107

राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर

१) रामप्रकाश, पुत्राण स्व० श्री विश्वनाथ शर्मा,  
२) भावती प्रसाद, )

निवासीगण ग्राम दवोहा, तेहसील व जिला  
मिण्ड --- आवेदकगण.

वनम

१) श्रीमती मायादेवी पतिन देवीदयाल,  
२) वीरेन्द्रवहादुर, )  
३) उमाशंकर पुत्राण देवीदयाल,  
४) विनोदकुमार )

वसरपरस्ती पिता देवीदयाल, जाति ब्राह्मण,  
निवासीगण ग्राम दवोहा, तेहसील व जिला  
मिण्ड --- अनावेदकगण.

पुनरीक्षण अन्तर्गत धारा 40 म०प्र० मु-राजस्व संहिता १९५६  
विरुद्ध आदेश दि० २२-६-०७ पारित द्वारा डा० समीता,  
न्यायालय अपर आयुक्त क्वल संभाग, मुरेना प्रकरण क्रमांक  
६३।०५-०६ अपील।

21/12/07

माननीय महोदय,

आवेदकगण को और से पुनरीक्षण निम्नलिखित अस्तुत है-

संक्षिप्त तथ्य:

(अ) यहकि, ग्राम की रतपुरा पराना व जिला मिण्ड की आराजी  
नं० १६ के गलत सीमांकन के आधार पर अनावेदकगण ने न्यायालय  
तेहसील मिण्ड में दावा दायर किया जो म० क्र० २।८६-०७ अ-७०  
पर दि० २६-१२-६४ को खारिज कर दिया, क्योंकि आवेदकगण का

B  
1/12

R-1603. 17/07 (2015)

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
20-6-16	<p>गावेंडक ठाणे झी कुंवा          सिव्हे पुशवाह उपस्थित। गावेंडक          ठाणे हात आदि-शुभ-आशावादी          से. उनके पक्ष सिव्हे लोके से उभरे          जे ये कधी प्रकृत की गये आ।          सिव्हेडक विभागाय कि इस प्रकार          कि ठाणे यलाने का केंद्र का विवरण          प्रकृत की समीक्षण की मासवादी          प्रकृत की प्रकृत की प्रकृत की          का प्रकृत से इसी स्था। प्रकृत          की प्रकृत मने। गावेंडक ठाणे          का सिव्हेडक विभागा विभागा मने।          प्रकृत प्रकृत इसी स्था। प्रकृत          प्रकृत से समान विभागा मने।          प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत</p>	<p><i>[Signature]</i>          20/6/16          रामदास</p>

*[Handwritten mark]*

*[Signature]*  
 20/6/16